आरईसी सीएसआर परियोजनाओं का प्रभाव आकलन

9 अगस्त 2023

प्रस्तुति :

ISO 9001:2015

जेनेसिस मैनेजमेंट एंड मार्केट रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड

7 जे अपार्टमेंट, 64/3 एरंडावाना

इनकम टैक्स लेन, प्रभात रोड

पुणे 411 004, भारत

www.gmmr.in

फ़ोन 91 20 25447724

9 अगस्त, 2023

विषय सूची

क्रमांक।	अंतर्वस्तु	पृष्ठ संख्या
	अस्वीकरण	4 - 5
	इस रिपोर्ट के बारे में	6
	लघुरूप	7
	प्रभाव आकलन अध्ययन के उद्देश्य/ सामाजिक प्रतिफल का मापन	8
(क)	कार्यकारी सारांश	9 -13
(ख)	आरईसी लिमिटेड और आरईसी फाउंडेशन के बारे में	13 - 15
(ग)	सीएसआर परियोजनाओं का प्रभाव मूल्यांकन	16
(घ)	प्रभाव आकलन करने वाली एजेंसी के बारे में	16 - 17
(ड.)	मूल्यांकनाधीन सीएसआर परियोजनाओं का विवरण	19 - 21
(च)	अध्ययन का दायरा	22
(छ)	मूल्यांकन के तरीके	22
(ज)	विस्तृत कार्यप्रणाली	23 - 24
(झ)	अनुसंधान पद्धति- फ्लो चार्ट	24 - 26
(ञ)	परियोजनावार प्रभाव आकलन	
1.	पुणे के दलवी अस्पताल में 1,700 लीटर प्रति मिनट ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र (पूरी तरह से निर्मित) और 150 केवी जनरेटर संयंत्र की स्थापना	28 - 34
2.	एकीकृत मस्कुलर डिस्ट्रॉफी एवं पुनर्वास केंद्र 'मानव मंदिर' (तृतीय तल) का निर्माण'	35 - 43
3.	जिला अस्पताल एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र, ग्यालसिंह, जिला पश्चिम सिक्किम में चिकित्सा उपकरण एवं यंत्र उपलब्ध कराना	44 - 49

4.	आचार्य नागार्जुन में 2 मेगावाट ग्रिड से जुड़ी रूफ टॉप सौर परियोजना विश्वविद्यालय (एएनयू) गुंटूर	50 - 56
5.	तीसरी मंजिल), गेट के साथ चारदीवारी और खेल के मैदान की स्थापना	57 - 62
6.	कोविड-19 देखभाल/स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं को मजबूत करने के लिए 1000 एलपीएम ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र की स्थापना, 22 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर और 200 सेमी फाउलर बेड की खरीद।	63 - 67
7(क)	संघ शासित प्रदेश दादरा, नगर हवेली, दीव और दमन में कोल्ड चेन उपकरण	68 - 70
7(ख)	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, कोहिमा, नागालैंड में कोविड 19 टीकाकरण कार्यक्रम के लिए कोल्ड चेन उपकरण (सीसीई) की खरीद	71 - 75
8.	आंध्र प्रदेश के अनंतपुरमु जिले में नए रक्त केंद्र सह प्रशासनिक ब्लॉक का निर्माण	76 - 83
9.	ब्रह्मर्षि मिशन समिति के तहत संचालित विराट हॉस्पिस में रेडियोथेरेपी इकाई का निर्माण, ताकि असाध्य कैंसर रोगियों की सहायता की जा सके ।	84 - 89
10.	समुदायों के आसपास प्राकृतिक रूप से उपलब्ध पोषण, भोजन और ऊर्जा के सर्वोत्तम उपयोग के लिए सामुदायिक विकास जागरूकता कार्यक्रम	90 - 98
11।	भारत के विभिन्न राज्यों में लगभग 8,000-9,000 विकलांग व्यक्तियों को सहायता एवं सहायक उपकरणों का वितरण	99 - 108
12.	हरियाणा के 45 गांवों में राष्ट्रपति भवन की स्मार्टग्राम पहल के लिए टिकाऊ ऊर्जा प्रणाली उपलब्ध कराना	109 -112
13.	05 जिलों (अंबाला, झज्जर, जिंद, कैथल और यमुनानगर) में प्रतियोगी परीक्षाओं में उपस्थित होने के लिए 10,000 उम्मीदवारों को प्रशिक्षण प्रदान करना।	113 -116

अस्वीकरण

यह रिपोर्ट केवल आरईसी / आरईसी फाउंडेशन के लिए तैयार की गई है, जो क्लाइंट या आरईसी/आरईसी फाउंडेशन के रूप में इस रिपोर्ट के लिए स्पष्ट रूप से संबोधित है। जेनेसिस किसी भी व्यक्ति द्वारा इस रिपोर्ट के किसी भी उपयोग या इस पर निर्भरता के लिए कोई दायित्व, जिम्मेदारी या देखभाल का कर्तव्य स्वीकार या ग्रहण नहीं करता है, सिवाय (i) हमारे क्लाइंट के, जिस मामले से यह रिपोर्ट संबंधित है (यदि

कोई हो) के लिए प्रासंगिक अनुबंध में सहमति की सीमा तक, या (ii) जैसा कि जेनेसिस द्वारा अपने विवेकानुसार पहले से लिखित रूप में स्पष्ट रूप से सहमति व्यक्त की गई है।

इस रिपोर्ट में बहुत सी धारणाएँ, अंतर्निहित जोखिम और अनिश्चितताएँ शामिल हैं, जो सामान्य और विशिष्ट दोनों हैं। निकाले गए निष्कर्ष इस रिपोर्ट को लिखने के समय हमारे पास उपलब्ध जानकारी पर आधारित हैं। जेनेसिस इस रिपोर्ट में निहित जानकारी के संबंध में कोई प्रतिनिधित्व या वारंटी, व्यक्त या निहित नहीं करता है। इस रिपोर्ट में निहित जानकारी चुनिंदा है और इसे अपडेट, विस्तार, संशोधन और संशोधन के अधीन किया जा सकता है। इसमें वह सारी जानकारी शामिल करने का दावा नहीं किया गया है जिसकी प्राप्तकर्ता को आवश्यकता हो सकती है।

हमने कोई ऑडिट नहीं किया है और न ही कोई राय या किसी अन्य प्रकार का आश्वासन व्यक्त करते हैं। इसके अलावा, हमारी रिपोर्ट में टिप्पणियों का उद्देश्य कानूनी सलाह या राय नहीं है, न ही उन्हें कानूनी सलाह या राय के रूप में समझा जाना चाहिए। आरईसीएफ़ इस रिपोर्ट में शामिल निष्कर्षों के संबंध में स्वतंत्र निर्णय लेने के लिए पूरी तरह से और पूरी तरह से जिम्मेदार होगा, ताकि भविष्य में कार्रवाई के संबंध में उचित निर्णय लिया जा सके, यदि कोई हो। हम रिपोर्ट में शामिल जानकारी के आधार पर निर्णयों के परिणामस्वरूप होने वाले परिणामों की जिम्मेदारी नहीं लेंगे।

जबकि सार्वजनिक डोमेन या बाहरी स्रोतों से प्राप्त जानकारी की प्रामाणिकता, सटीकता या पूर्णता के लिए सत्यापन नहीं किया गया है, हमने जहाँ तक संभव हो, उन स्रोतों से जानकारी प्राप्त की है जिन्हें आम तौर पर विश्वसनीय माना जाता है। हालाँकि, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि इनमें से कुछ वेबसाइटें नियमित रूप से अपडेट नहीं की जा सकती हैं। हम ऐसी जानकारी की विश्वसनीयता और विश्वसनीयता के लिए कोई ज़िम्मेदारी नहीं लेते हैं।

हमारा काम इस रिपोर्ट में वर्णित विशिष्ट प्रक्रियाओं तक सीमित था और केवल कार्यक्रम के तहत समर्थित लाभार्थियों के साक्षात्कारों के माध्यम से प्राप्त आंकड़ों की जानकारी और विश्लेषण पर आधारित था, जिन्हें नमूना उत्तरदाताओं के रूप में चुना गया था और आरईसी सीएसआर टीम और कार्यक्रम के हितधारक।

तदनुसार, समीक्षा के बाद उपलब्ध परिस्थितियों या जानकारी में परिवर्तन इस रिपोर्ट में उल्लिखित निष्कर्षों को प्रभावित कर सकता है।

हमारी टिप्पणियां लाभार्थियों और हितधारकों की रिपोर्टिंग के आधार पर तथ्यों की हमारी समझ और व्याख्या को दर्शाती हैं।

यदि कोई अनधिकृत व्यक्ति या आरईसीएफ के अलावा कोई अन्य संस्था इस रिपोर्ट तक पहुंच प्राप्त करती है और इसे पढ़ती है, तो इस रिपोर्ट को पढ़कर ऐसा व्यक्ति/संस्था निम्नलिखित शर्तों को स्वीकार करता है और उनसे सहमत होता है:

इस रिपोर्ट के पाठक समझते हैं कि जेनेसिस द्वारा किया गया कार्य आरईसीएफ द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया था और यह केवल आरईसीएफ के लाभ और उपयोग के लिए किया गया था।

इस रिपोर्ट का पाठक स्वीकार करता है कि यह रिपोर्ट आरईसीएफ के निर्देश पर तैयार की गई थी और इसमें पाठक के प्रयोजनों के लिए आवश्यक सभी प्रक्रियाएं शामिल नहीं हो सकती हैं।

पाठक इस बात से सहमत है कि जेनेसिस, उसके साझेदार, निदेशक, प्रमुख, कर्मचारी और एजेंट, अनुबंध या अपकृत्य (जिसमें बिना किसी सीमा के, लापरवाही और वैधानिक कर्तव्य का उल्लंघन शामिल है) के रूप में, उसके प्रति कोई कर्तव्य या जिम्मेदारी नहीं रखते हैं और न ही स्वीकार करते हैं, और पाठक द्वारा इस रिपोर्ट के किसी भी उपयोग के कारण होने वाली किसी भी प्रकार की हानि, क्षति या व्यय के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे, या जो पाठक द्वारा रिपोर्ट तक पहुंच प्राप्त करने के परिणामस्वरूप होता है।

किसी भी परिस्थिति में हम किसी भी प्रकार की हानि या क्षति के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे, जो हमारे कार्य से संबंधित सूचना सामग्री को हमसे छुपाने या गलत तरीके से प्रस्तुत करने के कारण उत्पन्न होती हो।

किसी भी व्यक्ति द्वारा जिससे हम सूचना का अनुरोध करते हैं।

इस रिपोर्ट के बारे में

हमने इस रिपोर्ट में दी गई जानकारी का ऑडिट या समीक्षा (जैसा कि इस शब्द को आम तौर पर स्वीकृत आश्वासन मानकों के तहत परिभाषित किया गया है) नहीं की है। अंतर्राष्ट्रीय लेखा परीक्षा और आश्वासन मानक बोर्ड जैसे निकायों द्वारा जारी किए गए व्यावसायिक आश्वासन मानक, जिनमें आईएसएएस (वित्तीय विवरणों पर आश्वासन) और आईएसएई (वित्तीय विवरणों के अलावा अन्य जानकारी पर आश्वासन) शामिल हैं, हमारे काम या यहाँ दिए गए निष्कर्षों पर लागू नहीं होते हैं।

इस रिपोर्ट का उद्देश्य आरईसीएफ़ द्वारा हमें आवंटित 13 सीएसआर परियोजनाओं के लिए जेनेसिस द्वारा किए गए मूल्यांकन के निष्कर्ष/सिफारिशें प्रदान करना है। समीक्षा का फोकस आरईसीएफ़ की सीएसआर परियोजनाओं द्वारा बनाए गए प्रभाव का आकलन करना, आरईसीएफ़ की विभिन्न सीएसआर परियोजनाओं में सुधार के क्षेत्रों की पहचान करना और उन्हें उजागर करना था ताकि प्रबंधन के विचार के लिए बेहतर परियोजना निगरानी और ट्रैकिंग को सक्षम किया जा सके। परियोजनाओं का मूल्यांकन IRECS ढांचे (समावेशीपन, प्रासंगिकता, प्रभावशीलता, अभिसरण और स्थिरता) के तहत पाँच प्रमुख मापदंडों पर किया गया है, जिसका उपयोग परियोजनाओं के प्रभाव को मापने के लिए किया गया है। परियोजनाओं की समीक्षा के आधार पर, प्रत्येक परियोजना का उपरोक्त प्रमुख मापदंडों पर मूल्यांकन किया गया है और उत्पन्न प्रभाव के आधार पर आगे उच्च/मध्यम/निम्न में वर्गीकृत किया गया है:

रंग कोड	श्रेणियाँ	विवरण

	उच्च (रेटिंग 8,9,10)	यह श्रेणी इस बात पर प्रकाश डालती है कि परियोजना उक्त आईआरईसीएस ढांचे के भीतर प्रभाव के प्रमुख मूल्यांकन मापदंडों को पूरा करने में सक्षम रही है।
	मध्यम (रेटिंग 5,6,7)	यह श्रेणी इस बात पर प्रकाश डालती है कि परियोजना उक्त आईआरईसीएस ढांचे के भीतर प्रभाव के प्रमुख मूल्यांकन मापदंडों को आंशिक रूप से पूरा करने में सक्षम रही है।
	कम (रेटिंग 1,2,3,4)	यह श्रेणी इस बात पर प्रकाश डालती है कि परियोजना को अभी भी उक्त IRECS ढांचे के भीतर प्रभाव के प्रमुख मूल्यांकन मापदंडों को पूरा करना बाकी है।

क्रमांक।	**गुण**	**% में भार**	**रेटिंग % में**
1.	स्थान के लिए परियोजना की प्रासंगिकता	15	
2.	समय योजना के अनुपालन में दक्षता	15	
3.	परियोजना की प्रभावशीलता	20	
4.	लक्षित लाभार्थियों पर प्रभाव	20	
5.	परियोजना की स्थिरता	15	
6.	समग्रता	15	
	समग्र रेटिंग (...10 में से)	**100**	

परियोजना का दौरा करने वाली हमारी अनुसंधान टीम को उनके समग्र अवलोकन, प्रमुख सूचनादाताओं, लाभार्थियों और अन्य हितधारकों के साथ बातचीत के आधार पर रेटिंग दी जाएगी।

लघुरूप

बीपीएल	गरीबी रेखा से नीचे
सीएडी	कंप्यूटर एडेड डिजाइन
सीएपीआई	कंप्यूटर सहायता प्राप्त व्यक्तिगत साक्षात्कार
सीएटीआई	कंप्यूटर सहायता प्राप्त टेलीफोन साक्षात्कार
सीबीओ	समुदाय आधारित संगठन
सीसीटीवी	क्लोज़्ड सर्किट टेलीविज़न
सीसीई	कोल्ड चेन उपकरण
आईपीईटी	प्लास्टिक इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान)
सीपीएसई	केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम
सीपीडबल्यूडी	केंद्रीय लोक निर्माण विभाग
सीएसआर	कॉर्पोरेट की सामाजिक जिम्मेदारी
डीएम	जिला अधिकारी
एफजीडी	मुद्दा समूह चर्चा
एचएच	परिवार
आईसीयू	गहन देखभाल इकाई
आईसीआई-आईटीआई	आईसीआई औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान
आईडीआई	गहन साक्षात्कार
आईईसी	सूचना, शिक्षा और संचार
आईआरईसीएस	समावेशिता, प्रासंगिकता, प्रभावशीलता, अभिसरण और स्थिरता
केएबीपी	ज्ञान, दृष्टिकोण, व्यवहार और अभ्यास

केआईआई	प्रमुख सूचनादाताओं का साक्षात्कार
एमओए	समझौते का ज्ञापन
एनसीईआरटी	राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद
एनएसडीसी	राष्ट्रीय कौशल विकास निगम
पीएचसी	प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र
आरईसीएफ	आरईसी फाउंडेशन
एसएचजी	स्वयं सहायता समूह
डबल्यूएएसएच	जल, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य
एचआरसी	स्वास्थ्य अनुसंधान केंद्र

प्रभाव आकलन अध्ययन के उद्देश्य/ सामाजिक प्रभाव का मापन रिटर्न:

क्रमांक।	**मूल्यांकन मानदंड**	**मूल्यांकन प्रश्न**
1.	प्रासंगिकता	➢ क्या समग्र लक्ष्य परियोजना क्षेत्र की आवश्यकताओं से मेल खाता था? ➢ क्या परियोजना के आधारभूत आंकड़ों ने क्षेत्र की आवश्यकताओं को सही ढंग से संबोधित किया?
2.	क्षमता	➢ क्या परिणाम प्राप्त हुए और क्या वे योजना के अनुसार थे? ➢ कार्यान्वयन कार्यक्रम योजना के अनुसार था ? ➢ क्या परियोजना लागत नियोजित सीमा के भीतर थी? ➢ क्या निधि का उपयोग विवेकपूर्ण था?

3.	प्रभावशीलता और विशिष्टता	➢ क्या परिणामों से लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिली? ➢ क्या इस परियोजना में कोई अनोखी विशेषता थी ? ➢ प्राप्त लक्ष्यों की सीमा तक इनपुट की तुलना करके , क्या परियोजना कार्यान्वयन को प्रभावी माना जा सकता है ? ➢ क्या इस परियोजना को दोहराया जा सकता है?
4.	प्रभाव	• परियोजना के विभिन्न कार्यों पर विभिन्न गैर - जिम्मेदारी और अमूर्त सकारात्मकता और नकारात्मक प्रभाव (सामाजिक - आर्थिक अर्थव्यवस्था , पर्यावरण संरक्षण , नीति , प्रौद्योगिकी और जागरूकता) क्या थे ?
5.	वहनीयता	➢ क्या परियोजना द्वारा बनाए गए प्रभाव कायम रहेंगे ? परियोजना के वर्तमान पाठ्यक्रम को देखते हुए , क्या परियोजना कायम रह सकती है ? ➢ यदि नहीं , तो परियोजना निष्पादन पद्धति में कौन से संशोधन और सुधार किए जाने की आवश्यकता है ?

(क) कार्यकारी सारांश

आरईसी लिमिटेड (पूर्व में ग्रामीण विद्युतीकरण निगम लिमिटेड) विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत एक "महारत्न" कंपनी है। आरईसी फाउंडेशन आरईसी लिमिटेड की सीएसआर शाखा है। सीएसआर कार्यक्रम आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े समुदायों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से लाभार्थियों के एक विस्तृत स्पेक्ट्रम को कवर करता है। कंपनी द्वारा समर्थित सीएसआर परियोजनाओं में स्वच्छता और स्वास्थ्य सेवा, स्वास्थ्य सेवा, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरणीय

स्थिरता और ग्रामीण अवसंरचना विकास पर परियोजनाएं शामिल हैं। आरईसी फाउंडेशन ने अपनी सीएसआर परियोजनाओं के प्रभाव मूल्यांकन के लिए जेनेसिस को नियुक्त किया है। वर्तमान रिपोर्ट आरईसी फाउंडेशन की 13 सीएसआर परियोजनाओं के प्रभाव मूल्यांकन पर केंद्रित है । अध्ययन का उद्देश्य परियोजना के अंतर्गत शामिल हितधारकों पर पड़ने वाले परिणामों और प्रभाव का आकलन करना था।

कार्य के दायरे में निम्नलिखित शामिल थे:

- सीएसआर परियोजनाओं का प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन करना।
- डीपीआर, एमओए, बेसलाइन रिपोर्ट, क्लोजर रिपोर्ट और एंड लाइन असेसमेंट रिपोर्ट जैसे मौजूदा दस्तावेजों की समीक्षा करना
- उत्पन्न प्रभाव के संबंध में निष्कर्षों का आकलन करना और रिपोर्ट करना
- अंतराल का आकलन करना और सिफारिशें प्रदान करना

यह अध्ययन लाभार्थियों पर आरईसी फाउंडेशन के कार्यक्रमों के प्रभाव को समझने के लिए एक विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण पर आधारित था।

अध्ययन के लिए, जेनेसिस टीम ने कार्यक्रमों द्वारा उत्पन्न उद्देश्य और प्रभाव को समझने के लिए आरईसी फाउंडेशन टीम द्वारा प्रदान किए गए दस्तावेजों और डेटा की समीक्षा की। समीक्षा किए गए दस्तावेजों में परियोजनाओं के लिए आरईसी फाउंडेशन के साथ हस्ताक्षरित एमओए, बेसलाइन और एंड-लाइन मूल्यांकन रिपोर्ट, ऑडिट किए गए उपयोग प्रमाण पत्र, पूर्णता रिपोर्ट आदि शामिल थे, जो दस्तावेजों की उपलब्धता के आधार पर थे। टीम ने परियोजनाओं, इसके उद्देश्य और प्रभाव, साथ ही लाभ सुनिश्चित करने के लिए स्थिरता रणनीति को और अधिक समझने के लिए परियोजना हितधारकों के साथ बातचीत भी की।

13 सीएसआर परियोजनाओं के मूल्यांकन से प्राप्त प्रमुख निष्कर्ष निम्नलिखित थे:

- आरईसी की कुल 13 सीएसआर परियोजनाएं बहुत प्रभावी, उपयोगी और आवश्यकता आधारित हैं
- 15 जुलाई, 2023 से 8 अगस्त , 2023 के दौरान विभिन्न परियोजना स्थानों पर डेटा संग्रह, क्षेत्र का दौरा और लाभार्थियों के साथ बातचीत की ।
- कुछ परियोजनाएं उत्कृष्ट हैं जैसे गेजिंग अस्पताल, पश्चिम सिक्किम, नागार्जुन विश्वविद्यालय, गुंटूर, आंध्र प्रदेश, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, अनंतपुरम, आंध्र प्रदेश, मानव मंदिर (आईएमएडी), सोलन, हिमाचल प्रदेश आदि उत्कृष्ट और अनुकरणीय हैं।
- हम मेघालय, पश्चिम सिक्किम और नागालैंड के पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्रों में आरईसी के सीएसआर परियोजना कार्य की सराहना करते हैं, जहाँ वास्तव में ऐसी परियोजनाओं की सख्त जरूरत है। हमारी राय में, ये सभी 3 परियोजनाएँ पुरस्कार विजेता परियोजनाओं के बराबर हैं।
- सीएसआर परियोजनाओं के डेटा संग्रहण और प्रभाव आकलन के लिए हमारी यात्रा के दौरान हमें विभिन्न स्तरों पर कार्यान्वयन एजेंसियों, लाभार्थियों, प्रमुख सूचनादाताओं और अन्य हितधारकों से उत्कृष्ट सहयोग प्राप्त हुआ।
- हम इस परियोजना को पूरा करने में उनके अथक सहयोग और मार्गदर्शन के लिए आरईसी/आरईसीएफ की पूरी टीम को धन्यवाद देते हैं। हम विशेष रूप से श्री भूपेश चंदोलिया, विभागाध्यक्ष (सीएसआर), श्री मनोहर मीना, महाप्रबंधक (सीएसआर), सुश्री सारिका गुलाटी, मुख्य प्रबंधक (एचआर) और श्री विशाल सुदेश, उप प्रबंधक (सीएसआर) के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त करना चाहते हैं।

- हमने सभी 13 परियोजनाओं की रेटिंग कर ली है और विवरण नीचे दिया गया है:-

क्रमांक	**कार्यान्वयन एजेंसियां**	**समग्रता**	**प्रासंगिकता**	**प्रभावशीलता**	**अभिसरण**	**वहनीयता**
1.	1700 लीटर प्रति मिनट ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र (पूर्ण संयोजन) और 150 के.वी. की स्थापना जनरेटर संयंत्र **पुणे नगर निगम निगम, शिवाजीनगर, पुणे, महाराष्ट्र**	उच्च	उच्च	मध्यम	उच्च	मध्यम

अनुवाद जारी है।